



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

स 70]	नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 22, 2012/फाल्गुन 3, 1933
No 70]	NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 22, 2012/PHALGUNA 3, 1933

कार्मिक, लोक शिकायत और पेशन मंत्रालय

( कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2012

**सा.का.नि. 97(अ).**—केंद्रीय सरकार अखिल भारतीय सेवा नियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए और भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 8 के उपनियम (1) के अनुसरण में, संबद्ध राज्य सरकारों और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करने के पश्चात निम्नलिखित विनियम बनाती है

1 सक्षिप्त नाम- इन विनियमों का सक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (सीमित प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 2011 है ।

2 परिभाषा- (1) इन विनियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -

(क) “उपलब्ध रिक्तियों” से अर्थात् वे रिक्तियाँ अभिप्रेत हैं जो भर्ती नियमों के नियम 4 के उपनियम(2) के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा किसी परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने के लिए अवधारित की गई हैं ,

(ख) “आयोग” से संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है ,

(ग) “परीक्षा” से भर्ती नियमों के नियम 4 के उपनियम (1)(क) के अधीन सेवा में भर्ती के लिए आयोजित सीमित प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है ,

(घ) “सूची” से विनियम 7 के उपविनियम (1) के अधीन तैयार की गई अभ्यर्थियों की सूची अभिप्रेत है ,

(ङ) “भर्ती नियमों” से भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियम, 1954 अभिप्रेत है ;

(च) “अनुसूचित जातियाँ”, “अनुसूचित जनजातियाँ” और “अन्य पिछड़े वर्गों” का वही अर्थ होगा जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 366 के खंड (24) और खंड (26) में क्रमशः उनका है , और

(छ) “सेवा” से भारतीय पुलिस सेवा अभिप्रेत है।

(2) अन्य सभी शब्दों और पदों का, जो इन विनियमों में प्रयुक्त किए गए हैं और परिभाषित नहीं किए गए हैं वही अर्थ होगा जो क्रमशः भर्ती नियमों में उनका है।

3 परीक्षा का आयोजन- (1) आयोग द्वारा परीक्षा केंद्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित रीति में संचालित की जाएगी।

(2) वह तारीखें जिसको और वे स्थान, जहां परीक्षा आयोजित की जाएगी आयोग द्वारा निश्चित किए जाएंगे।

4 पात्रता की शर्तें- परीक्षा में भाग लेने की पात्रता के उद्देश्य से अभ्यर्थी को निम्नलिखित शर्तों का समाधान करना चाहिए, अर्थात् :-

(i) राष्ट्रीयता

(क) वह भारत का नागरिक हो, या

(ख) उसे व्यक्तियों के ऐसे वर्गों से होना चाहिए जो केंद्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर इस निमित्त अधिसूचित किए जाए।

(ii) आयु उसने, उस वर्ष की 1 अगस्त को, जिसमें परीक्षा का आयोजन किया जाता है, 35 वर्ष की आयु प्राप्त न की हो

परन्तु व्यक्तियों के ऐसे वर्गों की बाबत, जो केंद्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त समय-समय पर अधिसूचित किए जाएं, प्रत्येक वर्ग की बाबत अधिसूचित सीमा तक और अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जा सकती है।

(iii) शैक्षिक अर्हताएं वह भारत के केंद्रीय या राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय या संसद के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में समझी जाने वाली अन्य शैक्षणिक संस्थाओं या केंद्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अनुमोदित किसी विदेशी विश्वविद्यालय की कोई डिग्री धारण करता हो या ऐसी अर्हता रखता हो जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा (परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए) मान्यता प्रदान की गई है।

परन्तु-

(क) आयोग, अपवादिक मामलों में किसी ऐसे अभ्यर्थी को अर्हित रूप में समझ सकेगा जिसके पास यद्यपि इस खंड में विहित अर्हता नहीं है किन्तु उसने उसी स्तर की किसी अन्य संस्था द्वारा संचालित परीक्षाओं को उत्तीर्ण किया है जो आयोग की राय में परीक्षा के लिए अभ्यर्थी के प्रवेश को न्यायोचित ठहराती है, और

(ख) ऐसे अभ्यर्थी भी जो अन्यथा अर्हित हैं किन्तु ऐसे विदेशी विश्वविद्यालयों से डिग्री ले चुके हैं जो केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित नहीं हैं, आयोग के निदेश पर परीक्षा में प्रवेश पा सकेंगे।

(iv) परीक्षा के प्रयास : परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रत्येक ऐसे अभ्यर्थी को, जो अन्यथा पात्र है, परीक्षा के लिए दो प्रयास अनुज्ञात किए जाएंगे; और परीक्षा में किसी अभ्यर्थी की हाजरी को, यथास्थिति, उसकी निरर्हता या उसकी अभ्यर्थिता के रद्दकरण को विचार में लाए बिना परीक्षा का एक प्रयास समझा जाएगा।

परन्तु व्यक्तियों के ऐसे पदों की बाबत, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर इस निमित्त अधिसूचित किए जाए, प्रयासों की सख्या में प्रत्येक प्रवर्ग की बाबत अधिसूचित सीमा तक और अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट दी जा सकती।

(v) राज्य पुलिस सेवा के अधीन राज्यों में पुलिस उपनिरीक्षक और केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बलों (केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और सशस्त्र सीमा बल) में सहायक कमांडेंट और सशस्त्र सेना में कैप्टन मंजर या समतुल्य श्रेणी के अधिकारियों के रूप में भर्ती ऐसे अधिकारियों, जिनके पास निरन्तर पांच वर्ष का अनुभव और वास्तविक सेवा है, परीक्षा में सम्मिलित होने के पात्र होंगे।

(vi) फीस- वह आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट फीस का सदाय करेगा।

(vii) सतर्कता अनापत्ति- सीमित प्रतियोगिता परीक्षा का विकल्प चुनने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को सतर्कता के दृष्टिकोण से सही घोषित करते हुए उससे मूल कांडर का एक प्रमाणपत्र सत्यापन करना होगा। मूल कांडर का अद्यतन सतर्कता अनापत्ति प्रमाणपत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत किया जाएगा।

5 प्रवेश के लिए निरर्हता- आयोग द्वारा, किसी अभ्यर्थी का ओर से किन्हीं साधनों द्वारा उसकी अभ्यर्थिता के लिए समर्थन प्राप्त करने हेतु किसी प्रयास के लिए परीक्षा में प्रवेश के लिए उसे निरर्हित किया जा सकेगा।

6 आयोग के विशिष्ट का अंतिम होना- परीक्षा में प्रवेश के लिए किसी अभ्यर्थी की पान्त्रता या उससे अन्यथा के बारे में आयोग का विशिष्ट अंतिम होगा और ऐसे किसी अभ्यर्थी को जिसके लिए आयोग द्वारा प्रवेश प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

7 सफल अभ्यर्थियों की सूची- (1) उप विनियम (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, आयोग केन्द्रीय सरकार को ऐसे अभ्यर्थियों की योग्यता के क्रम में व्यवस्थित एक सूची अग्रेषित करेगा जो ऐसे मानकों के अनुसार अर्हित है जो आयोग द्वारा अवधारित किए जाए।

(2) आयोग द्वारा, किसी अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों का अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या के विस्तार तक, सेवा में चयन के लिए इन अभ्यर्थियों की उपयुक्तता के अधीन रहते हुए शिथिल मानकों के अनुसार अनुमादन किया जा सकेगा।

परन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के ऐसे अभ्यर्थियों को जिनका इस उप विनियम में निर्दिष्ट शिथिल करने वाले मानकों का आश्रय लिए बिना आयोग द्वारा अनुमादन किया गया है अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित स्थानों पर समायोजित नहीं किया जाएगा।

8 सूची से नियुक्तियां- विनियम 9 विनियम 10 विनियम 12 और विनियम 13 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, अभ्यर्थियों का उपलब्ध स्थानों पर नियुक्ति के लिए उस क्रम में विचार किया जाएगा, जिसमें उनका नाम सूची में उपदर्शित किया है।

9 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए स्थानों का आरक्षण- (1) भर्ती नियम के नियम 7 के अनुसरण में, उपलब्ध स्थानों का 15 प्रतिशत, 7.5 प्रतिशत और 27-प्रतिशत स्थान ऐसे अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित होंगे जो क्रमशः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के सदस्य हैं।

(2) इस प्रकार आरक्षित स्थानों को भरने में ऐसे अभ्यर्थियों पर जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के सदस्य हैं नियुक्ति के लिए उस क्रम में विचार किया जाएगा जिसमें उनके नाम सूची में उपदर्शित हैं।

10 एक से अधिक विवाह के आधार पर नियुक्ति के लिए निरर्हता : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या विवाह की सविदा की है ; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस विनियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

11 अनुशासनात्मक कार्रवाई- कोई ऐसा अभ्यर्थी जो आयोग द्वारा निम्नलिखित का दोषी घोषित किया जाता है या किया गया है-

(i) निम्नलिखित साधनों द्वारा अपनी अभ्यर्थिता का समर्थन प्राप्त करना, अर्थात् --

(क) अवैध परितोषण प्रदान करके , या

(ख) दबाव डालकर ; या

(ग) परीक्षा के संचालन से संबंधित किसी व्यक्ति को ब्लैकमेल करना या ब्लैकमेल करने की धमकी देना , या

(ii) प्रतिरूपण करके , या

(iii) किसी व्यक्ति द्वारा प्रतिरूपण उपाप्त करके , या

(iv) गढ़ हुए दस्तावेज या ऐसे दस्तावेज, जिनके साथ छेड़छाड़ की गई है, प्रस्तुत करके , या

(v) ऐस कथन करके जो असत्य या मिथ्या है या कोई सारवान सूचना छिपाकर , या

(vi) परीक्षा के लिए अपनी अभ्यर्थिता के संबंध में निम्नलिखित साधनों का आश्रय लेकर, अर्थात् --

(क) अनुचित साधनों द्वारा प्रश्नपत्र की प्रति अभिप्राप्त करना ;

(ख) परीक्षा संबंधी गोपनीय कार्य से संबंधित व्यक्तियों की दिशिष्टियों का पता लगाना ;

(ग) परीक्षक पर दबाव डालना ; या

(vii) परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का उपयोग करके ,

(viii) उत्तर पुस्तिका में अश्लील सामग्री लिखना या अश्लील आलेख बनाना , या

(ix) परीक्षा भवन में कदाचार करना जिसके अंतर्गत उत्तर पुस्तिकाओं को फाड़ना परीक्षा का बहिष्कार करने के लिए अध्येता परीक्षार्थियों को उकसाना गड़बड़ी पैदा करना और इसी प्रकार के अन्य कार्य करना भी है , या

(x) आयोग द्वारा, उमकी परीक्षा का संचालन करने के लिए नियोजित कर्मचारिवृद्ध का तग करना या शारीरिक क्षति पहुंचाना , या

(xi) अभ्यर्थियों का, परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाणपत्र के साथ अनुज्ञात करने संबंधी जारी किन्ही अनुदेशों का उल्लंघन करना , या

(xii) पूर्वगामी खंडों में विनिर्दिष्ट सभी या किन्ही कृत्यों को, यथास्थिति करने का प्रयास करेगा या करने के लिए उकसाएगा, वह आपराधिक अभियोजन के अतिरिक्त-

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह अभ्यर्थी है, निरहित होने का दावा होगा , और/या

(ख) स्थायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित से विवर्जित होने का दावा होगा-

(i) आयोग द्वारा उसके द्वारा आयोजित परीक्षा से या उसके द्वारा किए गए चयन से ,

(ii) केंद्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी नियोजन से , और

(ग) यदि वह पहले से सरकार के अधीन सेवा में है तो समुचित नियमों के अधीन अनुशासन-आत्मक कार्यवाई के लिए दायी होगा

परंतु, यथास्थिति खंड (क) या खंड (ख) के अधीन कोई शक्ति, निम्नलिखित के सिवाय अधिरापित नहीं की जाएगी-

(i) अभ्यर्थी का लिखित में ऐसा अभ्यावेदन करने का अपसर प्रदान करना, जो वह इस निमित्त करना चाहे , और

(ii) यदि अभ्यर्थी द्वारा, उसे आवंटित की गई अवधि के भीतर कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया जाता है तो उस पर विचार करना ।

12 चिकित्सा के आधार पर नियुक्ति के लिए निरर्हता- किसी ऐसे अभ्यर्थी को सेवा में नियुक्त नहीं किया जाएगा जो ऐसी चिकित्सा परीक्षा के पश्चात जो केंद्रीय सरकार द्वारा विहित की जाए, उत्तम मानसिक या शारीरिक स्वास्थ्य का, और ऐसे मानसिक या शारीरिक दोष में मुक्त, नहीं पाया जाता है जिनसे सेवा के कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा होने की संभावना है ।

13 सूची में सम्मिलित होगा नियुक्ति का अधिकार पद नहीं करता है- किसी अभ्यर्थी का सूची में सम्मिलित होना नियुक्ति का तब तक कोई अधिकार प्रदान नहीं करता है जब तक केंद्रीय सरकार का ऐसी जांच करने के पश्चात, जो वह आवश्यक समझे यह समाधान नहीं हो जाता है कि ऐसा अभ्यर्थी, उसके चरित्र और पूर्ववृत्त का ध्यान में रखते हुए, सेवा में नियुक्ति के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त है ।

14 धारणाधिकार- यदि अभ्यर्थी की वर्तमान सेवा में कोई धारणाधिकार विद्यमान है तो वह भारतीय पुलिस सेवा में उसकी पूर्ति होते ही समाप्त हो जाएगा ।

[फा सं 13018/3/2010-एआईएम-(1) (पी सी II)]

एस एम शुक्ला, अवर सचिव

548 G1/12-2

**MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS****(Department of Personnel and Training)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st February, 2012

**G.S.R. 97(E).**— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), and in pursuance of rule 8 of sub-rule 1 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954, the Central Government after consultation with the Governments of the States concerned and Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations:

1. Short title —These regulations may be called the Indian Police Service (Appointment by Limited Competitive Examination) Regulations, 2011

2. Definitions -(1) In these regulations, unless the context, otherwise requires,-

(a) "available vacancies" means the vacancies in the Service as determined by the Central Government under sub-rule (2) of rule 4 of the Recruitment Rules are to be filled on the results of an examination,

(b) "Commission" means the Union Public Service Commission;

(c) "examination" means a limited competitive examination for recruitment to the Service held under sub-rule (1)(a) of rule 4 of the Recruitment Rules

(d) "list" means the list of candidates prepared under sub-regulation (1) of regulation 7;

(e) "Recruitment Rules" means the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954,

(f) "Scheduled Castes", "Scheduled Tribes" and "Other Backward Classes" shall have the same meanings as are assigned to them by clauses (24) and (25) respectively of article 366 of the Constitution of India; and

(g) "Service" means the Indian Police Service

2(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined shall have the meanings respectively assigned to them in the Recruitment Rules

3. Holding of Examination .- (1) The examination shall be conducted by the Commission in the manner notified by the Central Government from time to time

(2) The dates on which and the places at which the examination conducted, shall be fixed by the Commission.

4 Conditions of Eligibility - In order to be eligible to compete at the examination, a candidate must satisfy the following conditions, namely -

(i) Nationality

(a) He must be a citizen of India, or

(b) He must belong to such categories of persons as may, from time to time, be notified in this behalf by the Central Government.

(ii) Age He must have not attained the age of 35 years on the first day of August of the year in which the examination is held

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of such categories of persons as may from time to time, be notified in this behalf by the Central Government to the extent and subject to the conditions notified in respect of each category

(iii) Educational Qualifications' He must hold a degree of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956, or a foreign University approved by the Central Government from time to time, or possess a qualification which has been recognised by the Central Government [for the purpose of admission to the examination]

Provided that-

(a) in the exceptional cases the Commission may, treat as qualified a candidate who though not possessing the qualification prescribed in this clause, has passed examinations conducted by other institutions of a standard which, in the opinion of the Commission, justifies the admission of the candidate to the examination, and

(b) candidates who are otherwise qualified but have taken degrees from foreign Universities, which are not approved by the Central Government, may also be admitted to the examination at the discretion of the Commission

(iv) Attempts at the examination Every candidate appearing for the examination, who is otherwise eligible, shall be permitted two attempts at the examination, and the appearance of a candidate at the examination will be deemed to be an attempt at the examination irrespective of his disqualification or cancellation, as the case may be, of his candidature

Provided that the number of attempts may be relaxed in respect of such categories of persons as may from time to time, be notified in this behalf by the Central Government to the extent and subject to the conditions notified in respect of each category

(v) Officers recruited as Deputy Superintendents of Police in States under State Police Service and Assistant Commandants in Central Para Military Forces (Central Reserve Police Force, Border Security Force, Indo-Tibet Border Police, Central Industrial Security Force and Sahstra Seema Bal) and officers of the rank of Captain or Major or equivalent in the Armed Forces having minimum five years experience of continuous and actual service will be eligible to appear in the examination

(vi) Fees - He must pay the fees specified by the Commission

(vii) Vigilance Clearance - Every candidate opting for the Limited Competitive Examination, will have to enclose a certificate from his parent cadre declaring him clear from Vigilance angle. Current Vigilance clearance certificate from the parent cadre will have to be produced at the time of interview

5. Disqualification for Admission - Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Commission to disqualify him for admission to the examination

6. Commission's Decision Final - The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the Commission shall be admitted to the examination

7. List of successful candidates - (1) Subject to the provision of sub-regulation (2), the Commission shall forward to the Central Government a list arranged in order of merit of the candidates who have qualified by such standards as the Commission may determine.

(2) The candidates, belonging to any of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other Backward Classes may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service

Provided that the candidates, belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-regulation, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes

8. Appointments from the List - Subject to the provisions of regulations 9, 10, 12 and 13, candidates may be considered for appointment to the available vacancies in the order in which their names appear in the list



9 Reservation of vacancies for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes Candidates and other Backward Classes.-(1) In pursuance of rule 7 of the Recruitment Rules, 15 per cent 7 1/2 per cent and 27 per cent of the available vacancies shall be reserved for candidates who are members of the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes respectively

(2) In filling the vacancies so reserved, candidates who are members of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes, shall be considered for appointment in the order in which their names appear in the list

10 Disqualification for appointment on grounds of plural Marriage,-

(a) no person- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the Service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this sub-regulation

11 Disciplinary action - A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of -

(i) obtaining support for his candidature by the following means, namely -

(a) offering illegal gratification, or

(b) applying pressure on, or

(c) blackmailing, or threatening to blackmail any person connected with the conduct of the examination, or

(ii) Impersonating, or

(iii) procuring impersonation by any person, or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or

(v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or

(vi) resorting to the following means in connection with his candidature for the examination, namely:-

548 GI/12-3

- (a) obtaining copy of question paper through improper means,
- (b) finding out the particulars of the persons connected with secret work relating to the examination,
- (c) influencing the examiners; or
- (vii) using unfair means during examination, or
- (viii) writing obscene matters or drawing obscene sketches in the scripts, or
- (ix) misbehaving in the examination hall including tearing off the scripts, provoking fellow examinees to boycott examination, creating a disorderly scene and the like; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable --
- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, and / or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period--
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them, and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules

Provided that no penalty under clause (a) or clause (b), as the case may be, shall be imposed except after-

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allotted to him, into consideration.

12 Disqualification for Appointment on Medical Grounds -No candidate shall be appointed to the service who after such medical examination as the Central Government may prescribe is not found to be in good mental or bodily health and free from any mental or physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the service

13 Inclusion in list confers no right to appointment -The inclusion of a candidate's name in the list confers no right to appointment unless the Central Government is satisfied,

after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service

14 Lien, if it exists in the parent service of the candidate will terminate only when he or she gets confirmed in the Indian Police Service

[F No 13018/3/2010-AIS (I) (Pt II)]

S S SHUKLA, Under Secy

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2012

**सा.का.नि. 98(अ).—** केंद्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा नियम 1951 (1951 का 61) का धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा पदत शक्तिया का प्रयोग करते हुए, संबद्ध सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम 1954 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् --

- 1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) संशोधन नियम 2011 है ।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- 2 भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 में  
(क) नियम 3 के उपनियम (2) में, खंड (ii) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंत स्थापित किया जाएगा अर्थात् --  
“(iii) भारतीय पुलिस सेवा (सीमित प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 2011 के अनुसार सेवा के लिए भर्ती प्रत्येक व्यक्ति का सेवा में दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा ।”,  
(ख) नियम 5 के उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंत स्थापित किया जाएगा अर्थात् --  
“(5) नियम 3 के उपनियम (2) के खंड (iii) में निर्दिष्ट किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को ऐसी अवधि के लिए जो केंद्रीय सरकार आवश्यक समझे लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद में या राज्य प्रशिक्षण संस्था में या देश के किसी अन्य मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्था में ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा

परंतु जहां कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति, यथास्थिति, परिवीक्षा अवधि में या परिवीक्षा की विस्तारित अवधि में ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त नहीं करता है वहां उसे मूल काइर में उसके अधिष्ठायी पद पर प्रतिवर्तित कर दिया जाएगा।”

(ग) नियम 10 के उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अतः स्थापित किए जाएंगे अर्थात् —

“(3) केंद्रीय सरकार सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से भर्ती ऐसी सभी परिवीक्षाधीन व्यक्तियों की सूची तैयार करेगी, जिनका वही आबटन वर्ष निर्धारित किया गया है जो भारतीय पुलिस सेवा (ज्येष्ठता विनियम) नियम, 1988 के नियम 3 में उपबधित है। ऐसी सूची ऐसी योग्यता के क्रम में क्रमांकित की जाएगी जो प्रत्येक परिवीक्षाधीन व्यक्ति द्वारा —

(i) सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में ;

(ii) लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में और सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में या राज्य प्रशिक्षण संस्था में या देश के किसी अन्य मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण संस्था में, उसके ऐसी अवधि के अभिलेख के संबंध में, जो केंद्रीय सरकार आवश्यक समझे ; और

(iii) अंतिम परीक्षा में,

अभिप्राप्त कुल अंकों के अनुसार अवधारित की जाएगी।

(4) ऐसे परिवीक्षाधीन व्यक्तियों के बीच में ज्येष्ठता, जिनका समान आबटन वर्ष है, उपनियम (3) क अधीन तैयार की गई सूची के अनुसार अवधारित की जाएगी और ऐसे परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को, जिनकी पूर्व प्रतियोगिता परीक्षा के अनुसार नियुक्ति की गई है, उन से ऊपर स्थान दिया जाएगा जिनकी नियुक्ति पश्चात्वर्ती प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामस्वरूप की गई है।

(घ) नियम 13 के उपनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् --

“(4) नियम 3 के उपनियम (2) के खंड (iii) में निर्दिष्ट किसी व्यक्ति का वेतन 5400/-रु० ग्रेड वेतन के साथ वतन बैंड-3 (15600-39100 रु०) में कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम पर नियत किया जाएगा और उसके द्वारा, उसके पूर्वतम पद पर लिया जा रहा वास्तविक वेतन को वैयक्तिक वेतन के रूप में माना जाएगा और उसके वेतन में, उसके वैयक्तिक वेतन के समतुल्य राशि तक वृद्धि होते ही, वह समाप्त हो जाएगा।”

[फा. सं. 13018/3/2010-एआईएस-(1) (पी टी II)]

एस. एस. शुक्ला, अवर सचिव

**पाद टिप्पण :** मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग 2 खंड 3, उपखंड (i) में सा0का0नि0 सं0 152(अ), तारीख 8 सितंबर, 1954 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् सा0का0नि0 सं0 76, तारीख 20 जनवरी, 1962, सा0का0नि0 सं0 164, तारीख 2 फरवरी, 1963, सा0का0नि0 सं0 1164 तारीख 22 अगस्त 1964, सा0का0नि0 सं0 67 तारीख 21 जनवरी, 1967, सा0का0नि0 सं0 102, तारीख 28 जनवरी 1967, सा0का0नि0 सं0 945, तारीख 24 जून, 1967 सा0का0नि0 सं0 1426 तारीख 3 अगस्त, 1968, सा0का0नि0 सं0 1704, तारीख 21 सितंबर, 1967, सा0का0नि0 सं0 1882 तारीख 26 अक्टूबर 1968, सा0का0नि0 सं0 1217, तारीख 24 मई 1969, सा0का0नि0 सं0 1486 तारीख 23 अगस्त 1969 सा0का0नि0 सं0 1248 तारीख 7 अक्टूबर 1972, सा0का0नि0 सं0 387, तारीख 1 अप्रैल, 1972, सा0का0नि0 सं0 471, तारीख 18 मई, 1972, सा0का0नि0 सं0 53, तारीख 16 जनवरी, 1975, सा0का0नि0 सं0 156 तारीख 7 फरवरी, 1976 सा0का0नि0 सं0 1360 तारीख 25 सितंबर 1976, सा0का0नि0 सं0 904, तारीख 26 जून 1976, सा0का0नि0 सं0 1019 तारीख 17 जुलाई 1976 सा0का0नि0 सं0 1305, तारीख 27 दिसंबर 1980, सा0का0नि0 सं0 454 तारीख 9 मई 1981, सा0का0नि0 सं0 554, तारीख 30 जुलाई 1983 सा0का0नि0 सं0 638 तारीख 23 जून, 1989 सा0का0नि0 सं0 54, तारीख 12 जनवरी, 1994 और सा0का0नि0 सं0 355 तारीख 14 सितंबर, 2002 द्वारा संशोधन किया गया।

## NOTIFICATION

New Delhi, the 21st February, 2012

**G.S.R. 98(E).**— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government after consultation with the State Governments concerned hereby makes the following rules further to amend the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954, namely:-

1 (1) These rules may be called the Indian Police Service (Probation) Amendment Rules, 2011

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2 In the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954, -

(a) in rule 3, in sub-rule (2), after clause (ii), the following clause shall be inserted, namely -

“(iii) Every person recruited for the Service in accordance with the Indian Police Service (Appointment by Limited Competitive Examination) Regulations, 2011 shall be appointed to the service on probation for a period of two years”,

548 GI/12-4

(b) in rule 5, after sub-rule (4), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(5) A probationer referred to in clause (ii) of sub-rule 2 of rule 3, shall undergo such training in Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad or in State Training Institution or in any other recognised training institution in the Country for such period as the Central Government may consider necessary -

Provided that where a probationer does not undergo such training within the period of probation or within the extended period of probation, as the case may be, he shall be reverted to his substantive post in the parent cadre”;

(c) In rule 10, after sub-rule (2), the following sub-rules shall be inserted, namely -

“(3) The Central Government shall prepare a list of all probationers recruited through Limited Competitive Examination who have been assigned the same year of allotment as provided for in rule 3 of the Indian Police Service (Regulation of Seniority) Rules, 1988. Such list shall be arranged in the order of merit which shall be determined in accordance with the aggregate marks obtained by each probationer:-

(i) at the Limited Competitive Examination

(ii) in respect of his record in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration and in the Sardar Vallabhai Patel National Police Academy or in State Training Institution or in any other recognised training institution in the Country for such period as the Central Government may consider necessary, and

(iii) at the final examination,

(4) The seniority interse of the probationers, who are assigned the same year of allotment, shall be determined in accordance with the list prepared under sub-rule (3) and probationers who are appointed on the basis of an earlier competitive examination shall be ranked above those appointed consequent to a later competitive examination.

(d) in rule 13, after sub-rule (3), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(4) The salary of a person referred to in clause (iii) of sub-rule (2) of rule 3 shall be fixed in minimum of the junior scale in PB 3 (Rs 15600-39100) with grade pay of Rs 5400 and the actual pay drawn by him in his earlier post shall be treated as personal pay and shall cease as soon as his pay is increased by an amount equal to his personal pay.”

[F No 13018/3/2010-AIS (I) (Pt II)]

S S SHUKLA, Under Secy.

**Foot note :** Principal rules were published in the Gazette of India, Part-II, Section III, Sub-section (i), vide number G S R No. 152(E), dated the 8<sup>th</sup> September, 1954 and subsequently amended vide G S R No 76, dated the 20<sup>th</sup> January, 1962, G S R. No. 164, dated the 2<sup>nd</sup> February, 1963, G S R No 1164, dated the 22<sup>nd</sup> August, 1964, G S R No 67, dated the 21<sup>st</sup> January, 1967, G S R No 102, dated the 28<sup>th</sup> January, 1967, G S R No 945, dated the 24<sup>th</sup> June, 1967, G.S R No.1426, dated the 3<sup>rd</sup> August, 1968, G S R No 1704, dated the 21<sup>st</sup> September, 1968, G.S.R No. 1882, dated the 26<sup>th</sup> October, 1968, G S R No 1217, dated the 24<sup>th</sup> May, 1969, G.S R. No 1986, dated the 23<sup>rd</sup> August, 1969, G S.R No 1248, dated the 7<sup>th</sup> October, 1972, G S R No 387, dated the 1<sup>st</sup> April, 1972, G S R No 471, dated the 18<sup>th</sup> May, 1972, G S.R No 53, dated the 16<sup>th</sup> January, 1975, G S R No 156, dated the 7<sup>th</sup> February, 1976, G S R No 1360, dated the 25<sup>th</sup> September, 1976, G S R No 904, dated the 26<sup>th</sup> June, 1976, G S R No 1019, dated the 17<sup>th</sup> July, 1976, G S R No 1305, dated the 27<sup>th</sup> December, 1980, G S R No 454, dated the 9<sup>th</sup> May, 1981, G S R No 554, dated the 30<sup>th</sup> July, 1983, G S R No 638 (E), dated the 23<sup>rd</sup> June, 1989, G S R No 54, dated the 12<sup>th</sup> January, 1994, and G S R No. 355 dated the 14<sup>th</sup> September, 2002